नवोन्मेष

रुक्टा (राष्ट्रीय)

राजस्थान विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षक संघ (राष्ट्रीय)

website: www.ructarashtriya.org **Email:** info@ructarashtriya.org

केन्द्रीय कार्यालय : देराश्री शिक्षक सदन, राजस्थान विश्वविद्यालय परिसर, जयपुर-302004

प्रधान कार्यालय : के. 52, कृष्णगंज, **अजमेर-305001**

दूरभाष : अध्यक्ष : डॉ. ग्यारसीलाल जाट, सीकर (01572) 245866, मो. 9414038866

महामंत्री : डॉ. मधुर मोहन रंगा, अजमेर (0145) 2429341, मो. 9414008425

परिपत्र क्रमांक : रुक्टा (रा.)/2012-13/03 **दिनांक: 26 नवम्बर, 2012**

(सभी इकाई सचिवों एवं सक्रिय सदस्यों को समस्त सदस्यों में प्रसारित करने के अनुरोध सहित प्रेषित)

प्रिय महोदय/महोदया

सादर नमस्कार!

गत परिपत्र के पश्चात आगामी प्रान्तीय अधिवेशन की सूचना, शिक्षकों की विभिन्न मांगों पर संगठन के ज्ञापन पर मुख्यमंत्रीजी की कार्यवाही का विवरण, शैक्षिक महासंघ के रजतजयंती वर्ष में आयोजित पंचम राष्ट्रीय अधिवेशन का विवरण संगठन की अन्य गतिविधियों एवं अन्य सूचनाओं के साथ यह परिपत्र आपको प्रेषित है :-

1. **संगठन का 51वाँ प्रांतीय अधिवेशन 7 व 8 जनवरी 2013 को जोधपुर में आयोजित होगा :-** रुक्टा (रा) का 51वाँ प्रान्तीय अधिवेशन 7 व 8 जनवरी 2013 को जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर में, राजस्थान विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) की जे. एन. वी. विश्वविद्यालय इकाई जोधपुर, विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षक मंच, जोधपुर व Institute of Engineers जोधपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होगा। 7 जनवरी 2013 को प्रात: 10.30 बजे उद्घाटन कार्यक्रम होगा। इसी दिवस पर अपराह्न 3 बजे देराश्री स्मृति व्याख्यान माला का आयोजन होगा। सायं को समूहश: बैठकों का आयोजन किया जायेगा। 8 जनवरी 2013 को प्रात: 9 बजे शैक्षिक संगोष्ठी का आयोजन होगा, जिसका विषय **वर्तमान परिप्रेक्ष में स्वामी विवेकानंद के शैक्षिक चिन्तन की प्रासंगिकता,** शिक्षकों से आग्रह है कि वे प्रारूप (परिचय, विषय वस्तु, निष्कर्ष व संदर्भ) के अनुसार पूर्व में अपना लेख, संयोजक डॉ. राजेन्द्र शर्मा बाँगड़ महाविद्यालय, पाली को अधिकतम 600 शब्दों में हिन्दी में Krutidev 10, Size 14 Points अथवा अंग्रेजी में Times New Roman, Size 12 Points, M.S. Office 2003/2007 में डबल स्पेस में A4 Size पेपर पर टाईप कर, यदि संभव हो तो CD, DVD के रूप में साफ्ट कॉपी भेजें या info@ructarashtriya.org पर दिनांक 1 जनवरी 2013 तक मेल करें। पत्र प्रस्तुत करने वाले शिक्षकों को प्रमाण-पत्र दिया जायेगा। इसके पश्चात खुला सत्र् होगा, जिसमें महामंत्री प्रतिवेदन व आय व्यय का लेखा प्रस्तुत किया जायेगा। जोधपुर संभाग के सेवानिवृत शिक्षकों का भी इस अवसर

पर सम्मान किया जायेगा। तत्पश्चात् समारोप सत्र् सम्पन्न होगा। यह अधिवेशन आवासीय रखा है अत: सभी प्रतिभागी उसी के अनुरूप अधिकाधिक संख्या में पहुँचने का आग्रह है। साथ ही इकाई सचिवों/सक्रिय कार्यकर्ताओं से अपेक्षा है कि वे अधिवेशन में आने से पूर्व स्थानीय इकाई की बैठक आयोजित कर प्रस्ताव पारित करवा कर लाएँ।

2. **शैक्षिक महासंघ का पंचम राष्ट्रीय अधिवेशन सम्पन्न :-** अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के रजत जयंती वर्ष में संगठन का पंचम राष्ट्रीय अधिवेशन 26,27 व 28 अक्टूबर 2012 को बैंगलूरु में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन कर्नाटक के मुख्यमंत्री श्री जगदीश शेट्टार ने किया, इस अवसर पर कर्नाटक के शिक्षामंत्री श्री विश्वेश्वर हेगडे कागेरी, शैक्षिक महासंघ के संरक्षक प्रो. के. नरहरि, शैक्षिक महासंघ के अध्यक्ष डॉ. विमलप्रसाद अग्रवाल, महासंघ के महामंत्री प्रो. जे.पी. सिंघल व प्रो. बाल कृष्ण भट्ट उपस्थित थे। प्रथम सत्र् में प्रख्यात शिक्षाविद् सुश्री इन्दुमति काटदरे ने भारतीय शिक्षा के प्रतिमान, द्वितीय सत्र् में शिक्षक कार्यकर्त्ता की भूमिका पर प्रो. अनिरुद्ध देशपाण्डे, चतुर्थ सत्र् में स्वामी विवेकानंद के दर्शन की सार्थकता पर माननीय सूर्यनारायण राव, पंचम सत्र् में कार्ययोजना क्रियान्वयन पर महासंघ के संगठन मंत्री श्री महेन्द्र कपूर, सप्तम् सत्र् में भारत में विदेशी शिक्षण संस्थाओं के प्रवेश की चुनौति पर प्रो. बी. एम. कुमार स्वामी, नवम् सत्र् में शिक्षा शिक्षक समस्याओं पर प्रो. जे. पी. सिंघल का मार्गदर्शन रहा। अन्य सत्रों में संवर्गश: बैठक, प्रस्ताव एवं उन पर चर्चा आदि विषय रहे। समारोप कार्यक्रम में माननीय भय्याजी जोशी का मार्गदर्शन रहा। अधिवेशन में स्वामी विवेकानंद जन्म सार्ध शताब्दी के अवसर पर शिक्षा को समर्पित स्मारिका जाग्रत व अन्य पुस्तकें नमन, विवेक यात्रा, भारतीय इतिहास: विकृतीकरण का प्रयास का भी विमोचन हुआ। खुले सत्र् में पाँच प्रस्ताव पारित किये गये, प्रथम-शिक्षा में गुणवत्ता की चुनौती, दूसरा-भारत में आने वाले विदेशी शिक्षण संस्थान देश की आवश्यकताओं के अनुरूप तथा भारतीय शिक्षाविद्ों के नियंत्रण में हो, तीसरा-शिक्षा में स्वायत्त नियामक आयोग आवश्यक, चौथा-भ्रष्टाचार पर अंकुश लगे तथा काले धन को वापस लाया जाए, पाँचवाँ-शिक्षकों की समस्याओं के समुचित समाधान के प्रयास अविलम्ब हो। अधिवेशन के अवसर पर शैक्षिक महासंघ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी व राष्ट्रीय साधारण सभा की बैठक भी सम्पन्न हुई। जिसमें विभिन्न विषयों पर चर्चा व आगामी कार्यक्रमों पर विस्तार से वार्ता की गई। अधिवेशन में 20 राज्यों के करीब 1500 शिक्षकों ने भाग लिया। रुक्टा (रा) की प्रांतीय कार्यकारिणी, विभागीय समिति के सदस्यों व प्रकोष्ठों के संयोजकों ने भाग लिया।

3. **महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय शिक्षकों की विभिन्न मांगों पर मुख्यमंत्रीजी की कार्यवाही :-** संगठन ने अपने विस्तृत ज्ञापन में मुख्यमंत्रीजी को महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय शिक्षकों की विभिन्न लम्बित मांगों पर शीघ्र कार्यवाही का अनुरोध किया था। इस संबंध में संगठन ने राज्य के लगभग सभी विधायकों को ज्ञापन की प्रति भेज कर सहयोग की अपेक्षा की थी। इस संबंध में पूर्व गृहमंत्री एवं सदस्य विधानसभा श्री गुलाबचन्दजी कटारिया को मुख्यमंत्रीजी ने 8 अक्टूबर को प्रेषित पत्र में लिखा है कि शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं हेतु रूक्टा (रा) के ज्ञापन को प्रमुख शासन सचिव उच्च शिक्षा को शीघ्र कार्यवाही हेतु प्रेषित कर दिया गया है।

4. **विधायकों द्वारा मुख्यमंत्रीजी से रुक्टा (रा) के ज्ञापन पर कार्यवाही का आग्रह :-** राष्ट्रीय महासचिव, भा.ज.पा. व राजसमंद विधायक श्रीमती किरण माहेश्वरी ने 18-9-2012 को व करौली

विधायक माननीया रोहिणी कुमारी ने 11-9-2012 को रुक्टा (रा) का ज्ञापन मुख्यमंत्री को प्रेषित कर शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं को शीघ्र हल करने का आग्रह किया है। संगठन को जानकारी है कि इसी प्रकार राजस्थान के अन्य विधायकों ने भी संगठन के दृष्टिकोण से सहमत होकर मुख्यमंत्रीजी को रुक्टा (रा) के ज्ञापन पर कार्यवाही का आग्रह किया है।

5. **नये शिक्षा निदेशक का स्वागत :-** नये कॉलेज निदेशक श्री नवीन जैन के पद पर कार्यभार ग्रहण करने पर संगठन ने उनका स्वागत किया है। संगठन ने आशा व्यक्त की है कि शिक्षकों को विभिन्न लम्बित मांगों पर शीघ्र कार्यवाही होगी।

6. **केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री को शुभकामनाएं :-** केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री का कार्यभार ग्रहण करने पर संगठन ने डॉ. एम. एम. पल्लमराजू को बधाई प्रेषित की है व आशा व्यक्त की है कि आपके मार्गदशन में उच्च शिक्षा क्षेत्र में नये आयाम स्थापित होंगें।

7. **राज्य कर्मचारियों को भी केन्द्रीय कर्मचारियों की भांति अतिरिक्त वेतन वृद्धि प्रदान की जाये :-** छठे वेतन आयोग की रिपोर्ट के अनुसार सभी राज्य कर्मचारियों की वार्षिक वेतन वृद्धि जुलाई माह तय कर दी गयी है। इसके कारण उन कर्मचारियों/अधिकारियों को वेतन वृद्धि मिलने में विलम्ब हो रहा था, जिनकी वेतनवृद्धि फरवरी से जून माह में होनी थी, तद्नुसार उनकी वेतनवृद्धि एक से पाँच माह देरी से हुई। राष्ट्रीय विसंगति आयोग समिति (एनोमाली कमेटी) ने भी केन्द्र सरकार से आग्रह किया था कि जिन कर्मचारियों की वेतन वृद्धि वर्ष 2006 में फरवरी से जून के मध्य होनी थी, उन्हें एक अतिरिक्त वेतन वृद्धि 1-1-2006 को पुराने वेतनमान में दी जाये। केन्द्र सरकार ने वित्त मंत्रालय के आदेश क्रमांक 10/02/2011-E-III/A दिनांक 19-3-12 द्वारा संशोधित वेतन रचना में C.C.S.(R.P.) नियम 2008 के नियम 10 में अतिरिक्त वेतन वृद्धि का प्रावधान रखा है। संगठन ने मुख्यमंत्रीजी, उच्च शिक्षा मंत्रीजी, मुख्य सचिव, वित्त सचिव, प्रमुख शासन सचिव उच्च शिक्षा, प्रमुख शासन सचिव कार्मिक, निदेशक कॉलेज शिक्षा से आग्रह किया है कि केन्द्रीय कर्मचारियों की भांति राज्य सरकार के कर्मचारियों/अधिकारियों को भी उक्त आदेशानुसार वेतन वृद्धि प्रदान की जाए।

8. **स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्यो को किराया भत्ता व मँहगाई भत्ता देने के संबंध में :-** राज्य सरकार ने आदेश क्रमांक प-3(1)शिक्षा/ग्रुप-3/2012 दिनांक 31-5-2012 के तहत राजस्थान शिक्षा सेवा (महाविद्यालय) के 20 स्नातक प्राचार्यो का पदस्थापन/स्थानान्तरण स्वयं की वेतन श्रृंखला में स्नातकोत्तर प्राचार्य के पद पर किया था। परन्तु इन अधिकारियों को नियमानुसार किराया भत्ता व महँगाई भत्ता प्रदान नहीं किया गया है। संगठन ने प्रमुख शासन सचिव उच्च शिक्षा व निदेशक कॉलेज शिक्षा से आग्रह किया है कि इन अधिकारियों को नियमानुसार उपरोक्त लाभ प्रदान करने संबंधी आदेश जारी किये जाये।

9. **राजकीय नेहरु मेमोरियल महाविद्यालय हनुमानगढ़ के कार्मिकों को छठे वेतनमान का लाभ देने का आग्रह :-** राज्य सरकार ने आदेश संख्या एफ 11(43) उच्च शिक्षा/-5/92 दिनांक 15 जुलाई 2010 के द्वारा नेहरू मेमोरियल महाविद्यालय हनुमानगढ़ (श्रीगंगानगर) को राजकीय महाविद्यालय का स्वरूप प्रदान किया था। इस महाविद्यालय के 34 कार्मिकों को आदेश संख्या एफ 1 (34) पी. एस./आकाशि/10/452 दिनांक 21-10-2011 व आदेश संख्या एफ 1 (34) पी. एस./आकाशि/10/451

दिनांक 21-10-2011 के तहत नियुक्त किया था। इस महाविद्यालय के प्राध्यापकों व अन्य कार्मिकों का राजकीय सेवा में समायोजन होने के बाद भी इन्हें छठे वेतनमान का लाभ प्रदान नहीं किया गया है। इनमें से कुछ कार्मिकों की सेवानिवृत्ति भी निकट भविष्य में है। संगठन ने निदेशक कॉलेज शिक्षा से आग्रह किया है कि इन्हें छठे वेतनमान का लाभ शीघ्र प्रदान किया जाय।

10. **मतदाता सूचियों के विशेष संक्षिप्त पुननिरीक्षण कार्यक्रम में महाविद्यालय शिक्षकों की ड्यूटी पद, वेतन व वेतनमान के अनुरूप लगाई जाये :-** राजकीय महाविद्यालय, श्रीगंगानगर के शिक्षकों की ड्यूटी मतदाता सूचियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम में पद, वेतन व वेतनमान के अनुसार नहीं लगाये जाने के संबंध में संगठन ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी, राज्य निर्वाचन आयोग जयपुर व जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीगंगानगर को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि भारत निर्वाचन आयोग सचिवालय व मुख्य निर्वाचन अधिकारी जयपुर के पत्र दिनांक 19-1-90 व 28-7-99 के तहत, महाविद्यालय शिक्षकों की ड्यूटी उनके पद वेतन व वेतनमान के अनुसार लगाई जाये।

11. **विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (द्वितीय संशोधन) अधिनियम 2006 व यू.जी.सी. की 472 वीं बैठक के निर्णयानुसार पात्रता निर्धारित करने का आग्रह :-** राज्य के विभिन्न महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में विभिन्न विषयों में ऐसे शिक्षक संविदा के रूप में कार्यरत थे, जिन्होंने जुलाई 2009 से पहले एम.फिल् या 31 दिसम्बर 2009 से पूर्व पीएच.डी. उपाधि प्राप्त कर ली। प्राप्त जानकारी के अनुसार इन्हें राज्य के विभिन्न महाविद्यालयों द्वारा नई पात्रता शर्तों के आधार पर कार्यमुक्त कर दिया गया है। यह उचित नहीं है, क्योंकि कोई भी नियम भूतलक्ष प्रभाव से लागू नहीं किया जा सकता एक बार नियुक्ति के समय लागू होने वाले यू.जी.सी. नियम पुनः नियुक्ति के समय भी लागू रखना चाहिये। अतः संगठन ने अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से आग्रह किया है, कि यू.जी.सी की 472वीं बैठक के निर्णय को लागू किया जाये, जिसमें जुलाई 2009 से पूर्व एम.फिल् व 31 दिसम्बर 2009 से पूर्व पीएच.डी. धारकों को प्राध्यापक पात्रता परीक्षा (NET) से मुक्त रखा गया है।

12. **डॉ. स्मिता जैन के नवीन यू.जी.सी. वेतनमान में स्थिरीकरण के संबंध में आग्रह :-** संगठन ने डॉ. स्मिता जैन, व्याख्याता वनस्पति शास्त्र राजकीय महाविद्यालय नोखा के नवीन यू.जी.सी. वेतनमान में स्थिरीकरण की शीघ्र कार्यवाही का आग्रह किया है। उल्लेखनीय है कि इनका वेतन स्थिरीकरण काफी समय से लम्बित है, इन कारण इन्हें आर्थिक नुकसान हो रहा है संगठन ने निदेशक कॉलेज शिक्षा से इस संबंध में शीघ्र कार्यवाही का अनुरोध किया है।

आंग्ल नववर्ष 2013 की अग्रिम शुभकामनाओं एवं प्रान्तीय अधिवेशन, जोधपुर में आप सभी से व्यक्तिगत भेंट की आकांक्षा सहित।

साभार!

भवदीय

(डॉ. मधुरमोहन रंगा)
[महामंत्री रुक्टा (रा.)]

के. 52
कृष्ण गंज, अजमेर-305 001 (राज.)